हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 27 जून 2025

13 मोतीनगर में रास्ते को बंद करने का प्रयास, लोगों ने जताया विरोध

14 रोडवेज विभाग के सीआई से डीसी ने मांगा शिकायतों का स्पष्टीकरण

हर माह मिड डे मील का खाना प्रयोगशाला में करवाना होगा चेक, साल में 2 बार छात्रों की होगी स्वास्थ्य जांच

- रजिस्टर में एसएमसी सदस्य, छात्रों के अभिभावक व गार्डियन द्वारा मध्याहन भोजन टेस्ट का रखना होगा रिकॉर्ड
- साल में दो बार डॉक्टरों की टीम करेगी छात्रों के स्वास्थ्य की जांच, लंबाई व वजन का भी रखना होगा रिकॉर्ड
- सरकारी स्कूल में जगह कम है तो भवन की छत पर गमलों या पॉलीबैग में लगाए न्यूट्रिशन गार्डन
- मिड डे मील के महाप्रबंधक ने प्रदेश के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को जारी किए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा के सरकारी स्कूलों का कम से कम मास में एक बार मिड डे मील का खाना भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रयोगशाला से चैक करवाना होगा। भोजन के परीक्षण के लिए सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को पहले ही राशि आवंटित की जा चुकी है।

वहीं सभी स्कूलों में मध्याहन भोजन को टेस्ट करने के लिए रजिस्टर बनाने के निर्देश दिए है। जिसमें सभी एसएमसी सदस्यों, छात्रों के अभिभावकों व गार्डियन द्वारा मध्याहन भोजन टेस्ट किए जाएं और उसका रिकॉर्ड रजिस्टर में रखा जाएगा। सभी विद्यालयों में मध्याहन भोजन विद्यार्थियों को परोसने से पहले सभी एसएमसी सदस्यों, छात्रों के अभिभावकों व गार्डिन द्वारा मध्याहन भोजन टेस्ट करवाने को कहा है। इसके अलावा वर्ष में दो बार शिक्षक प्रत्येक छात्रों की लंबाई और वजन को भी मापना होगा।

स्कूल की दीवार पर लम्बाई का पैमाना बने, जिससे छात्रों की लम्बाई सरकारी डॉक्टरों द्वारा भी मापी जा सके। सभी छात्रों के बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) की गणना की जाए व जिन छात्रों का बीएमआई कम है, उन छात्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्हें प्रोटिन सहित अतिरिक्त खाद्य पदार्थ दिए जाएं। इससे संबंधित रिपोर्ट प्रत्येक माह निदेशालय में भेजनी होगी। यह निर्देश हरियाणा मौलिक शिक्षा में मिड डे मील महाप्रबंधक की ओर से प्रदेश के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को जारी किए है।

स्थापित करने होंगे स्कूल न्यूट्रिशन गार्डन

सभी सरकारी स्कूलों में स्कूल न्यूट्रिशन गार्डन स्थापित किए जाने है। जिन स्कूलों में जगह कम है अथवा नहीं है, उन स्कूलों में भवन की छत पर गमलों या पॉलीबैग आदि में सब्जियां या पौधे लगाने चाहिए। इस प्रक्रिया में विद्यालयों में छात्रों को भी शामिल किए जाएं ताकि सब्जियों एवं पौधों से प्राप्त सामग्री को खाने में प्रयोग कर सकें, जिससे बच्चे को स्वस्थ भोजन प्राप्त हो सकता है।

स्वच्छता का चलेगा अभियान

प्रत्येक वर्ष में राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान सभी विद्यालयों में कुकिंग प्रतियोगिता करवाई जाएं। इसमें सभी कुक कम हैल्पर्स को शामिल किया जाए। वहीं स्कूलों में मिड डे मील स्कीम के अंतर्गत सभी विद्यालयों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएं जैसे नुक्कड़ नाटक, कला प्रतियोगिता व पोस्टर मेकिंग स्पर्धा आदि के द्वारा विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा सके।

क्या कहते है अधिकारी

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त यादव ने बताया कि इन निर्देशों के संबंधित पत्र मिल चुका है। इन्हें सभी सरकारी स्कूलों में भिजवाया जा रहा है।

तिथि भोजन की हो रही डिमांड

तिथि भोजन कार्यक्रम अभिभावकों, समुदाय और स्कूल प्रबंधन समिति के बीच बहुत लोकप्रिय हो गया है। इस कार्यक्रम के तहत किसी भी महत्वपूर्ण दिन जैसे स्टेट फाउंडेशन डे, राष्ट्रीय हीरोस के जन्मदिन पर, विशेष रूप से छात्रों (लड़के और लड़कियों दोनों के जन्मदिन पर) शिक्षकों के जन्मदिन, राष्ट्रीय महत्व के वर्षगांठ दिवस और अन्य त्योहारों पर तिथि भोजन मनाया जाए। इन दिन एमडीएम व्यंजन (मिठाई और नमकीन) पकाया जाए और अभिभावकों को भी आमंत्रित किया जाए। उनसे खाना पकाने में स्वैच्छिक योगदान देने का अनुरोध किया जाए।

खबर संक्षेप

मालगाड़ी की चपेट से 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत

मंडी अटेली। रेवाड़ी-फुलेरा रेलवे लाइन पर अटेली कस्बे की शमशान भूमि के समीप एक व्यक्ति मालगाड़ी चपेट में आने से लगभग 30 मिनट तक तड़फता रहा। मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से उसको नारनौल अस्पताल भर्ती कराया। व्यक्ति पे को अधिक पीड़ा होने पर उसने दम तोड़ दिया। सायं छह बजे के बाद मृतक व्यक्ति की पहचान अटेली गांव निवासी 45 वर्षीय नरेश कुमार के रूप में हुई।

राजकीय आईटीआई में रक्तदान शिविर आज

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 27 जून को सुबह नौ बजे भारतीय स्टेट बैंक रेवाड़ी रोड शाखा के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए आईटीआई प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि 27 जून को आईटीआई कैंपस में होने वाले रक्तदान शिविर में अपनी स्वेच्छा से कोई भी रक्तदान कर सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वह इस रक्तदान पर शिविर में पहुंचकर अधिक से अधिक रक्तदान करें।

बिहाली में सांस्कृतिक कार्यक्रम आज

मंडी अटेली। श्री बाल गोपाल गोशाला बिहाली में आज 27 जून को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं गो पूजन कर प्रसाद वितरण किया जाएगा। गोशाला प्रधान ने बताया कि प्रातः सवा नौ बजे हवन किया जाएगा। उसके बाद गोशाला में पौधारोपण कर गो पूजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अटेली के तहसीलदार संजीव नगर व भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुनील मुसेपुर तथा चमेली देवी सैदपुर रहेगी।

रेल किराये में वृद्धि करने पर जताया रोष

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने केन्द्र सरकार की ओर से रेल किराये में वृद्धि करने पर रोष प्रकट करते हुए किराया वृद्धि को वापस लेने की मांग की है। अतरलाल ने किराया वृद्धि को जनविरोधी बताते हुए कहा सरकार ने साधारण डिब्बों की संख्या में कमी करके गरीब लोगों की दिक्कतें बढ़ा दी है। उन्होंने केन्द्र सरकार को आगाह किया कि ट्रेन किराया वृद्धि को वापस नहीं लिया तो बहुजन समाज पार्टी आंदोलन करेगी।

शिकायतों का समाधान करना शिविर का उद्देश्य

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देशानुसार सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में वीरवार को अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार ने लघु सचिवालय में आमजन की शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में कुल 77 शिकायतें आई। एडीसी सुशील कुमार ने आमजन की शिकायतें सुनते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर लगाने का उद्देश्य आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने कहा कि आमजन की जो भी शिकायतें आती हैं उनका मौके पर ही समाधान करें।

कॉलेज के प्रथम वर्ष में दाखिले के लिए पहली फाइनल कट ऑफ लिस्ट जारी

राजकीय महाविद्यालय में साइंस की कम बीबीए एवं बीसीए की मेरिट रही ऊंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्नातक प्रथम वर्ष कक्षाओं में दाखिला लेने के लिए उच्चत्तर शिक्षा निदेशालय ने गुरुवार को पहली फाइनल कट ऑफ लिस्ट जारी कर दी। इस बार साइंस की मेरिट कम, जबकि बीबीए एवं बीसीए की मेरिट ऊंची देखने को मिली है। यानि अभिभावकों के साथ-साथ युवक-युवतियां भी अब सामान्य शिक्षा की बजाए रोजगारपरक शिक्षा को तवज्जो देने लगे हैं।

रेलवे रोड स्थित राजकीय महाविद्यालय नारनौल की पहली फाइनल कट ऑफ लिस्ट के अनुसार इस बार बीएससी फिजिकल साइंस में एआईओसी में 81.6 प्रतिशत, एचओजीसी में 62, ओएससी में 56.8, डीएससी में शून्य, बीसी ए में 60.6, बीसी बी में 57.4, ईडब्ल्यूएस एआईओसी में 58 तथा ईडब्ल्यूएस एचओजीसी में शून्य मेरिट रही। इसी प्रकार बीबीए में एआईओसी में 92.2 प्रतिशत, एचओजीसी में 84.8, ओएससी में 81.8, डीएससी में 74, बीसी ए में 70.6, बीसी बी में 82.6, ईडब्ल्यूएस एआईओसी में 76.8 तथा ईडब्ल्यूएस एचओजीसी में 66.6 प्रतिशत मेरिट रही। बीसीए में एआईओसी में 89, एचओजीसी में 84.8, ओएससी में 76.4, डीएससी में 70.8, बीसी ए में 76, बीसी बी में 81.4, ईडब्ल्यूएस एआईओसी में 79 तथा ईडब्ल्यूएस एचओजीसी में 69.2 प्रतिशत मेरिट रही। बीकॉम में केवल जनरल कैटेगरी तक ही मेरिट सीमित रह गई। इसमें एआईओसी में मेरिट 84.4 तथा एचओजीसी में 59.8 प्रतिशत रही।

बीएससी लाइफ साइंस में एआईओसी में 85.8 प्रतिशत, एचओजीसी में 75.2 प्रतिशत, ओएससी में 59.6, डीएससी में 62.4, बीसी ए में 61.4, बीसी बी में 72, ईडब्ल्यूएस एआईओसी में 71.4 तथा ईडब्ल्यूएस एचओजीसी में 63.8 प्रतिशत मेरिट रही। बीए में एआईओसी में 82, एचओजीसी में 60.2, ओएससी में 51.4, डीएससी में 52.8, बीसी ए में 52, बीसी बी में 42.2 प्रतिशत मेरिट रही।

इसी प्रकार राजकीय महिला महाविद्यालय में बीए की एआईओसी 86 तथा एचओजीसी की 40.8 प्रतिशत मेरिट रही है। इसी प्रकार बी कॉम में एआईओसी 89.2 तथा एचओजीसी में 66.2 प्रतिशत मेरिट रही है। बीएससी लाइफ साइंस में एआईओसी में 91.4, एचओजीसी में 81.4, ईडब्ल्यूएस एआईओसी में 79.4, ईडब्ल्यूएस एचओजीसी में 64.8 प्रतिशत, ओएससी में 71.2, डीएससी में 45, बीसी ए में 59.4, बीसी बी में 76.6 प्रतिशत मेरिट रही। बीएससी फिजिकल साइंस में एआईओसी 88.8, एचओजीसी 78, ईडब्ल्यूएस एआईओसी 74, ईडब्ल्यूएस एचओजीसी शून्य, ओएससी 58.8, डीएससी में 72.8, बीसी ए में 70.6 तथा बीसी बी में 72.2 प्रतिशत मेरिट रही है।

नारनौल। महिला महाविद्यालय में मेरिट लिस्ट देखती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

मेरिट वाले अब करें यह काम

जिन विद्यार्थियों का पहली कट ऑफ में नंबर आ गया है, उनको अब कॉलेज जाकर फिजिकल काउंसलिंग में भाग लेकर ऑनलाइन आवेदन के दौरान जो दस्तावेज अटेच किए गए थे, उनका कॉलेज में सत्यापन करवाना चाहिए। पहली लिस्ट के विद्यार्थियों को 27 जून से 30 जून तक फीस जमा करवाने का समय दिया गया है। इसके बाद दो जुलाई को अगली कट ऑफ यानि द्वितीय फाइनल कट ऑफ लिस्ट जारी की जाएगी।

यह बोले अधिकारी

कॉलेज एडमिशन ब्रांच के नोडल अधिकारी डा. सतीश सैनी एवं डा. ममता सिद्धार्थ ने बताया कि इस लिस्ट में जिन विद्यार्थियों का नंबर आ गया है, उन्हें अब ऑनलाइन फीस कटवानी होगी। फिर कॉलेज जाकर फिजिकल वेरीफिकेशन करवानी होगी। वेरीफिकेशन में एडमिशन कमेटी के सम्मुख प्रस्तुत होकर फीस रसीद, ऑनलाइन आवेदन फार्म की प्रतिलिपि और आवेदन में लगाए गए दस्तावेजों की वेरीफिकेशन करवानी होगी। साथ ही 100 रुपये की रेडक्रॉस की रसीद भी कटवानी होगी। इसके बाद ही एडमिशन कन्फर्म माना जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय अटेली में प्रथम मैरिट सूची जारी

मंडी अटेली। राजकीय महाविद्यालय अटेली के सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा पंचकूला द्वारा प्रथम मेरिट सूची का प्रकाशन किया गया। जिसमें बीए, बीएससी, बीकॉम ,बीसीए प्रथम वर्ष में ऑल इंडिया जनरल कैटेगरी की मेरिट क्रमश 73.6, 77.6, 81.2, 91.4 रही। हरियाणा ओपन जनरल कैटेगरी में क्रमशः 54.8, 58.2, 48.6, 78 रही। ओबीसी कैटेगरी में क्रमशः 54.2, 56 तथा बीसीए में 65 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति और जनजाति की क्रमश 50.8, 51.4 बीसीए 68 प्रतिशत रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार सैनी ने 27 से 30 जून 2025 तक ऑनलाइन फीस जमा करने को कहा तथा फीस जमा करने के उपरांत ऑनलाइन फॉर्म की सिंगल कॉपी और सभी संबंधित दस्तावेज डबल कॉपी में जैसे दसवीं, 12वीं, वहीं परिवार पहचान पत्र सिर्फ हरियाणा के विद्यार्थी के लिए व आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, विद्यार्थी के बैंक पासबुक, एनसीसी ए तथा बी प्रमाण पत्र, एनएसएस प्रमाण पत्रों के साथ जमा फीस की फोटो प्रति, मूल गैप ईयर एफिडेविट, दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ आदि सभी दस्तावेज 30 जून तक महाविद्यालय में कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करें। यह सब प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही एडमिशन प्रक्रिया पूरी होगी। वहीं जो छात्र एनसीसी और एनएसएस लेने के इच्छुक है वह भी संबंधित विभाग में जाकर अपना नाम व दस्तावेज जमा करें।

मंडी अटेली। विभिन्न मांगों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय पर ज्ञापन देते हुए।

यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

मंडी अटेली। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर वीरवार को स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय पर उनके पीए गोविंद गोस्वामी को अपनी चौबीस सूत्रीय मांगा पत्र दिया। यह ज्ञापन जिला प्रधान रमेश चन्द्र यादव की अध्यक्षता में दिया गया।

जिला प्रधान ने बताया कि अगर सरकार बातचीत करके कर्मचारियों कि जायज मांगों को पूरा नहीं करती है तो संगठन को मजबूर होकर पूरे प्रदेश में बड़ा आन्दोलन करेगी। ज्ञापन में बताया कि कौशल रोजगार निगम, टर्म अपाएंटी, दैनिक वेतन भोगी, पंचायत के अधीन, अन्य सोर्स कर्मचारियों को 2024 के तहत नौकरी सुरक्षा दी जाए। कर्मचारियों को 2020-23 ब्लॉक की एलटीसी का भुगतान किया जाएं। केन्द्र के समान सभी वेतन व भत्ते लागू किए जाएं। कौशल रोजगार के तहत लगे सभी कर्मचारियों को जोब सिक्योरिटी दी जाएं। कर्मचारियों को ठेकेदार के मार्फत वेतन बैंक खाता में दिया जाएं। रैगुलर कर्मचारियों के टीएबी की दूरी घंटा कर आठ किलोमीटर किया जाएं।

दुर्घटना में मृत्यु होने पर 30 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर राज्य संगठन सचिव सुरेश कुमार यादव, जिला उप प्रधान सुरेन्द्र सिंह, जिला प्रेस सचिव रामशरण यादव अटेली पब्लिक हेल्थ प्रधान राजेश कलवाड़ी, बलजीत, हरिश सचिव, अनिल फौजी,रमेश कुमार, कर्ण सिंह, दलीप कुमार, रामचंद्र, अरविन्द व सतीश आदि कर्मचारी मौजूद थे।

सीईओ ने किया अमृत सरोवरों का निरीक्षण

नारनौल। हरियाणा सरकार की ओर से ग्रामीण विकास को गति देने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के कुशल मार्गदर्शन में वीरवार को जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ने नांगल चौधरी खंड स्थित थनवास, नांगल सोढ़ा, बनिहाडी गांवों में मनरेगा स्कीम के तहत बन रहे अमृत सरोवरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इन परियोजनाओं में हरियाणा सरकार की दूरदर्शिता और जनहितैषी नीतियों की सराहना की। सीईओ मनोज कुमार ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अमृत सरोवरों पर पौधारोपण मियावाकी पद्धति से किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पद्धति कम समय में घने वन विकसित करने में सहायक है, जिससे इन सरोवरों के आसपास हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरणीय संतुलन बेहतर होगा।

पेयजल की बर्बादी करने वाले 14 अवैध कनेक्शन काटे

नारनौल। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिलेभर में चलाए जा रहे जन जागरूकता अभियान के तहत वीरवार को विभाग की छह टीमों ने कुल 134 पेयजल कनेक्शनों का निरीक्षण किया। इस दौरान 14 अवैध कनेक्शन पाए गए, जो मैन पाइप लाइन से अनाधिकृत रूप से जोड़े गए थे और खुलेआम जल की बर्बादी कर रहे थे। ये सभी कनेक्शन अटेली खंड के रामपुरा गांव की मुख्य पेयजल पाइप लाइन में चिन्हित किए गए। जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि रामपुरा गांव में लंबे समय से अवैध कनेक्शनों की शिकायतें मिल रही थी। जिसके कारण वास्तविक उपभोक्ताओं को पेयजल आपूर्ति में बाधा आ रही थी।

नारनौल। पेयजल की बर्बादी करने वाले अवैध कनेक्शन हटाती विभागीय टीम। फोटो : हरिभूमि

बिजली के अघोषित कट से उपभोक्ता परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

उमसभरी गर्मी के बीच सतनाली में लग रहे बिजली के अघोषित कटों से उपभोक्ता भारी परेशान हैं। पिछले कुछ दिनों से लग बार बार लग रहे अघोषित कटों से उपभोक्ताओं के बिजली आधारित कार्य प्रभावित हो रहे हैं, साथ ही पेयजल आपूर्ति व्यवस्था भी गड़बड़ा गई है, जिससे उनमें रोष है। सतनाली विकास मंच प्रधान दीवान सिंह शेखावत सहित अनेक उपभोक्ताओं ने बताया कि सतनाली कस्बे की लाइट को सीटी फीडर से हटाकर जगमग योजना में डालकर 24 घंटे बिजली आपूर्ति के दावे किए जा रहे ,हैं लेकिन पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी के बीच दिन व रात को कभी पावर कट तो कभी फाल्ट बताकर घंटों तक बार बार बिजली काटी जा रही है।

उन्होंने बताया कि कस्बे में तारों को हटाकर केबल डाल दी गई है। इसके बावजूद इसके आए दिन फाल्ट बताकर घंटों बिजली काटी जा रही है। उन्होंने बताया कि कस्बे में कहीं छोटा सा फाल्ट हो जाने पर पूरे कस्बे की बिजली काट दी जाती है। उपभोक्ता संजय, दीपक, रमेश, मुकेश, रामौतार, रवि, रोहताश, राजबीर, विकास आदि अनेक लोगों ने बताया कि सीटी फीडर में पिछले कुछ दिन से बार बार बिजली कट लगाए जा रहे हैं। जिससे लोगों के बिजली आधारित काम नहीं हो पा रहे हैं और भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या से भी जूझना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि दोपहर में करीब दो बजे फाल्ट का कारण बताकर लंबे समय तक बिजली बाधित चल रही है और बुधवार को भी दिनभर उमस भी गर्मी में घंटों तक बार बार फाल्ट बताकर बिजली काटी गई थी।

6 माह में 54 आरोपी पकड़े, इनसे 820 किलो डोडा 180 किलो गांजा सहित अनेक नशा किया बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अन्तर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के मौके पर वीरवार को जिले के कार्यालयों, सभी थानों में पुलिस कर्मियों को नशा से दूर रहने की शपथ दिलाई, साथ ही औरों को भी नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का काम करेंगे। इस दौरान विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले नुकसान आदि के बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई। जिला मुख्यालय सहित सभी थाना व पुलिस चौकी पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस कर्मियों को शपथ दिलाते हुए थाना प्रमुखों ने पुलिस कर्मचारियों को नशा से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक के पुलिस कर्मचारियों को नशा न करने की शपथ दिलाते हुए कहा कि सभी लोग जीवन काल में किसी भी प्रकार के नशा का सेवन न करें और आम नागरिकों को भी इस तरह के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें।

नशे से होने वाले नुकसान के बारे में सभी को विस्तार से जानकारी देनी होगी। अंतर राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर थाना व चौकियों में पुलिस कर्मियों ने नशा न करने की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि नशा शरीर को खोखला करने के साथ पूरे परिवार को तबाह कर देता है तथा समाज की नजरों में भी आदमी गिर जाता है। नशे से दूर रहने में ही हर किसी की भलाई है।

नारनौल। नशे से दूर रहने की शपथ लेते पुलिसकर्मी व अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के नेतृत्व में मादक पदार्थों का व्यापार करने वालों के खिलाफ पुलिस की ओर से कड़ी कार्रवाई की जा रही है। पिछले छह माह में 33 केस दर्ज कर 54 आरोपित पकड़े गए। पुलिस ने करीब 820 किलो डोडा चूरा पोस्त, 179 किलो 415 ग्राम गांजा, एक किलो 495 ग्राम हेरोइन, 494 ग्राम चरस, 34 ग्राम स्मैक व 16 ग्राम अफीम बरामद किया गया है। इसके अतिरिक्त दो नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नजरबंद कराया जा चुका है और चार नशा तस्करों के खिलाफ नजरबंद की कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि नशे पर लगाम लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। गांवों, स्कूलों व कॉलेजों पर ध्यान केंद्रित करते हुए ड्रग्स के दुष्प्रभावों के बारे में नागरिकों विशेषकर युवाओं को जागरूक किया जा रहा है। सभ्य समाज में नशे के लिए कोई जगह नहीं है। पुलिस की ओर से नागरिकों, विशेषकर युवाओं को मादक पदार्थों के खतरे से बचाने के लिए ड्रग्स तस्करों सहित इसमें संलिप्त अन्य के खिलाफ इसी प्रकार अभियान जारी रहेगा।

नारनौल। नशीले पदार्थ सहित तस्कर के साथ रेवाड़ी यूनिट की टीम। फोटो : हरिभूमि

1 किलो 253 ग्राम प्रतिबंधित नशीले पदार्थ सहित तस्कर को पकड़ा

नारनौल। हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की रेवाड़ी यूनिट ने एक नशा तस्कर को एक किलो 253 ग्राम अवैध गांजा के साथ महेंद्रगढ़ में डुलाना रोड पर शिव मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। एनसीबी रेवाड़ी यूनिट के प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार के नेतृत्व में रेवाड़ी यूनिट की टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति प्रतिबंधित नशीला पदार्थ गांजा को डुलाना रोड पर डीआईईटी एजुकेशन सेंटर के पास तस्करी करने की फिराक में है। सूचना के आधार पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपिपत जगदीश लुहार पुत्र बहादर निवासी गांव महासर को मौके से काबू किया। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी लेने पर आरोपित के पास से एक किलो 253 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ। आरोपित के खिलाफ थाना शहर महेंद्रगढ़ में एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत माध्यमिक मात्रा का मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अनोखे पक्षी / रजनी अरोड़ा

बच्चो, तुमने आसमान में उड़ते हुए छोटे-बड़े कई तरह के पक्षी देखे होंगे। छोटे पक्षी तो फुर्र-फुर्र आसानी से इधर-उधर उड़ लेते हैं। लेकिन दुनिया में कई बड़े आकार के भी ऐसे पक्षी हैं, जो बहुत तेज गति से उड़ते हैं और लंबी दूरियां तय करते हैं। यहां हम तुम्हें कुछ बहुत ही तेज गति से उड़ने वाले बिग बर्ड्स के बारे में बता रहे हैं।

तेज गति से उड़ने वाले बिग बर्ड्स

स्पर-विंग गूस

इसे दुनिया के सबसे बड़े हंस प्रजाति के पक्षी रूप में जाना जाता है। एडल्ट स्पर-विंग गूस, लगभग 75 सेंटीमीटर लंबा और 4.8 किग्रा वजन का होता है। 142 किमी या 88 मील प्रति घंटा की स्पीड से उड़ने की क्षमता के कारण इसकी गिनती दुनिया की सबसे तेज उड़ने वाले पक्षियों में होती है। यह मुख्यतः उप सहारा अफ्रीका के झीलों, नदियों के पास जमीन पर बनाए घोंसलों में रहते हैं। *

पिनटेल डक

इस पक्षी के पूंछ के पंख सिरे पर पिन की तरह लंबे और पतले होते हैं, इसीलिए इसे 'प्वॉइंटी डक' भी कहा जाता है। पिनटेल डक के पंखों का फैलाव 23.28 सेंटीमीटर तक हो सकता है। यह 105 किमी या 65 मील प्रति घंटा की स्पीड से उड़ सकते हैं। ये यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका के देशों में बड़ी तादाद में पाए जाते हैं। *

स्पाइन-टेल्ड स्विफ्ट

171 किलोमीटर (105 मील) प्रति घंटा की स्पीड से उड़ान भरने वाले स्पाइन-टेल्ड स्विफ्ट, दुनिया की सबसे तेज उड़ने वाली बर्ड्स में से एक है। काले रंग के स्विफ्ट बर्ड के गले पर सफेद रंग के बाल होते हैं, इसलिए इसे 'व्हाइट थ्रोटेड नीडल टेल' के नाम से भी जाना जाता है। ये पक्षी मध्य एशिया, साइबेरिया, पूर्वी और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं। जमीन पर उतरने के बजाय ये अपना अधिकांश जीवन उड़ते हुए और पहाड़ों पर बनाए अपने घोंसले में बिताते हैं। ये आसमान में उड़ने वाली छोटी बर्ड्स और कीड़े खाते हैं। *

फ्रिगेट बर्ड

समुद्री जीवों में फ्रेगाटा परिवार की पांच प्रजातियों में से एक है फ्रिगेट बर्ड। ये पक्षी 153 किमी (95 मील) प्रति घंटा की स्पीड से उड़ सकते हैं। ये आकार में काफी बड़े होते हैं, जिससे ये न तो पानी में आसानी से तैर पाते हैं और न ही जमीन पर चल पाते हैं। लेकिन ये बहुत तेजी से समुद्र में डाइव लगाकर मछलियों, जेली फिश, स्क्विड जैसे समुद्री जंतुओं का शिकार कर लेते हैं। नर फ्रिगेट पक्षी के गले में लाल थैली होती है, जिसे वह मादा फ्रिगेट को आकर्षित करने के लिए फुलाता है। फ्रिगेट बर्ड्स, ज्यादातर मध्य और उत्तरी अमेरिका के देशों में पाए जाते हैं। *

ऐडर डक

बड़े आकार के समुद्री बत्तखों में ऐडर डक को भी शामिल करते हैं। ये डक 50 सेंटीमीटर से भी अधिक लंबे हो सकते हैं और 113 किमी या 70 मील प्रति घंटा की स्पीड से उड़ सकते हैं। ऐडर डक मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका, उत्तरी यूरोप और पूर्वी साइबेरिया के उत्तरी भाग में पाए जाते हैं। *

रेड चेस्ट डाइविंग डक

अपनी दांतदार चोंच के कारण ये पक्षी 'मरगस सरेटर' नाम से भी जाने जाते हैं। ये 51.62 सेंटीमीटर तक लंबे हो सकते हैं। इसके पंखों का फैलाव 70.86 सेंटीमीटर तक हो सकता है। यह डक 129 किमी या 80 मील प्रति घंटा की स्पीड से उड़ सकता है। रेड चेस्ट डक पानी के अंदर डाइव लगाकर काफी देर तक रह सकता है। ये पक्षी मछलियां, कीड़े और मेंढक आदि खाते हैं। यह डक मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका, ग्रीनलैंड, यूरोप और एशिया के देशों में मिलते हैं। *

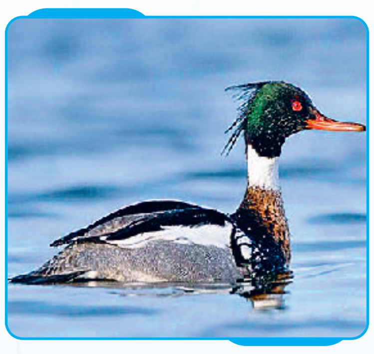

कैनवास बैक डक

यह उत्तरी अमेरिका के देशों में पाया जाने वाला सबसे बड़े आकार का डाइविंग डक है। यह लगभग 80 सेंटीमीटर तक लंबा हो सकता है और इसके पंखों का फैलाव 48.56 सेंटीमीटर तक हो सकता है। यह 124 किमी या 77 मील प्रति घंटा की स्पीड से उड़ सकता है। इनकी खासियत है कि ये अपने साथियों के साथ झुंड में वी-शेप बनाकर आकाश में उड़ते हैं। ये जलीय वनस्पति खाते हैं। सर्दियों के दौरान यह मिसीसिपी नदी के आस-पास के गर्म इलाकों में माइग्रेट करते हैं। *

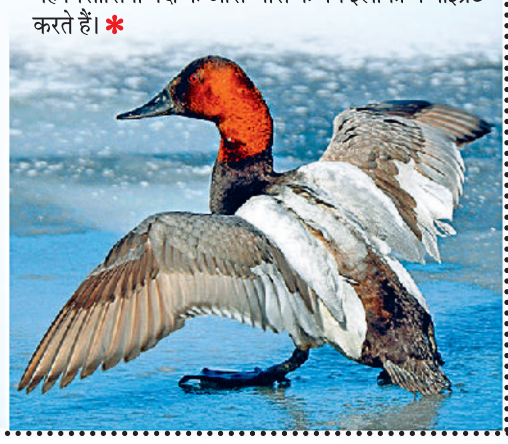

जानकारी / नयनतारा

कब की जाती है मेडे कॉल

बच्चो, पिछले दिनों अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश की दुर्घटना के बाद न्यूज चैनल्स, न्यूज पेपर्स और सोशल मीडिया पर तुम बार-बार एक शब्द 'मेडे कॉल' के बारे में सुन या पढ़ रहे होगे। क्या तुम जानते हो यह कॉल क्या होती है और कब की जाती है?

बच्चो, बीते 12 जून 2025 को अहमदाबाद (गुजरात) में एयर इंडिया का एक एयरो प्लेन एआई 171 उड़ान भरने के कुछ पलों बाद ही क्रैश हो गया था। प्लेन क्रैश से कुछ समय पहले प्लेन के कैप्टन यानी पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से संपर्क करते हुए 'मेडे कॉल' जारी की थी। जानो 'मेडे कॉल' के बारे में।

कहां से आया टर्म 'मेडे': यह शब्द फ्रेंच भाषा के प्रचलित फ्रेज 'म'आइडर' से बना है, जिसका अर्थ होता है 'हेल्प मी' यानी मेरी मदद करो। चूंकि यह फ्रेंच फ्रेज सुनने में 'मेडे' जैसा प्रतीत होता है, इसलिए 'म'आइडर' की जगह 'मेडे' प्रचलित हो गया। अब तो हवाई उड़ान के दौरान आई इमरजेंसी से संबंधित 'मेडे' शब्द को दुनिया के लगभग सभी देशों के लोग समझते हैं। प्रायः हर देश और हर कंपनी की विमान सेवा में इमरजेंसी मैसेज के लिए 'मेडे कॉल' टर्म का ही यूज किया जाता है।

ऐसे हुई मेडे कॉल की ऑफिसियल शुरुआत: इस शब्द की शुरुआत 1923 में लंदन के क्रायडन एयरपोर्ट के वरिष्ठ रेडियो अधिकारी फ्रेडरिक मोकफोर्ड के आग्रह पर हुई और 1948 में इसे आधिकारिक (ऑफिसियल) बना दिया गया।

क्यों कहते हैं इसे मेडे कॉल: प्लेन की उड़ान के दौरान जब पायलट को लगता है कि एयरो प्लेन खतरे में है, तो वह 'मेडे, मेडे, मेडे...' पुकारता है। यह संकट में दिया गया रेडियो सिग्नल है। जैसे ही एयर ट्रैफिक नियंत्रण करने वाले 'मेडे कॉल' को सुनते हैं, वे जान जाते हैं कि एयरो प्लेन संकट में है और उसे मदद की जरूरत है।

तब करते हैं मेडे कॉल: मेडे कॉल एक आपात संदेश (इमरजेंसी मैसेज) होता है। इसे एयरो प्लेन का पायलट उस समय करता है, जब विमान किसी गंभीर संकट में हो और यात्रियों या क्रू मेंबर्स की जान को खतरा हो। विमान का इंजन फेल होना, खराब मौसम, नेविगेशन सिस्टम की विफलता, किसी यात्री की अचानक तबियत खराब हो जाना या पायलट द्वारा हवाई जहाज का नियंत्रण खो देना... इस तरह की आपात कालीन परिस्थितियों में मेडे कॉल किया जाता है। *

तुम्हारे लिए नई किताबें / विज्ञान भूषण

जानवरों-पक्षियों पर कविताएं

बच्चो, तुम अपने आस-पास कई तरह के जानवरों और पक्षियों को देखते होगे। कुछ जानवर और पक्षी तुमने चिड़ियाघर यानी जू में देखे होंगे। लेकिन उनमें से कई जानवर और पक्षी ऐसे होंगे, जिनके बारे में तुम बिल्कुल नहीं या बहुत कम जानते हो। हाल में ही दो ऐसी नई किताबें छपकर आई हैं, जिनमें अनेक पालतू और जंगली पशु-पक्षियों के बारे में कविता के माध्यम से जानकारी दी गई है। 'कितने प्यारे जानवर हमारे' और 'कितने प्यारे पंछी हमारे' शीर्षक वाली इन किताबों में प्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल ने सरल और प्यारी कविताओं में देश-दुनिया में पाए जाने वाले कई पशु-पक्षियों के आकार, उनकी शारीरिक विशेषताओं, उनके स्वभाव, उनके निवास और उनसे जुड़ी कहावतों की जानकारियां दी हैं। मोर कविता में वह लिखते हैं, *'राष्ट्रीय पक्षी भारत का/कहा मोर ही जाता/सुंदर पंखों के कारण है/मन को बेहद भाता।'* तो गौरैया कविता में लिखते हैं, *'इधर-उधर जब चहका करती/लगती प्यारी-प्यारी/गौरैया अब संख्या में कम/चिंता बढ़ी हमारी।'* इसी तरह भालू कविता में वे लिखते हैं, *'बजा डुगडुगी खूब मदारी/इसको नाच नचाता/भालू खुश होकर बच्चों के/मन को है बहलाता।'* ऐसी ही बहुत सी कविताएं इन दोनों किताबों में संकलित हैं। इन कविताओं को पढ़ने में तुमको सच में बहुत मजा तो आएगा ही, ढेरों जानवरों, पक्षियों के बारे में काफी कुछ जानने को भी मिलेगा। *

किताबें: 'कितने प्यारे जानवर हमारे' और 'कितने प्यारे पंछी हमारे'
लेखक: डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल, **मूल्य:** 150 रुपए (प्रत्येक)
प्रकाशक: सूर्य भारती प्रकाशन, दिल्ली

जीतू को आई समझ

जीतू का पढ़ाई में बिल्कुल मन नहीं लगता था। लेकिन खेलने में खूब मजा आता था। अकसर अपने मम्मी-पापा से बिना बताए वह स्कूल बंक करके पार्क में बच्चों के साथ क्रिकेट खेलने लगता। लेकिन एक दिन शूज पॉलिश करने वाले एक बूढ़े बाबा ने उससे कुछ ऐसा कहा कि जीतू ने मन लगाकर पढ़ाई करने का संकल्प कर लिया।

कहानी
सरस्वती रमेश

जीतू के मम्मी-पापा मजदूरी करते हैं। सुबह-सुबह जीतू की मम्मी उसे तैयार कर स्कूल भेज देती हैं। उसके बाद पापा के साथ वह भी काम पर चली जाती हैं। जीतू का पढ़ाई में बिल्कुल भी मन नहीं लगता। उसका स्कूल जाने का भी मन नहीं करता है। स्कूल के पास ही एक बड़ा-सा मैदान है। वहां ढेरों बच्चे खेलते रहते हैं। उनको देखकर जीतू का भी मन करता है कि वह भी स्कूल जाने के बजाय उन बच्चों के साथ खेले।

एक दिन जीतू स्कूल जा रहा था। मैदान में बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। तभी गेंद उसके सामने आ गिरी। खेल रहे बच्चे चिल्लाने लगे, 'गेंद फेंको.. गेंद फेंको।' जीतू ने गेंद उनकी तरफ फेंक दी फिर कुछ देर वहीं खड़े होकर उन बच्चों का खेल देखने लगा। थोड़ी देर बाद क्रिकेट खेल रहे बच्चों के पास जाकर जीतू बोला, 'मुझे भी अपने साथ में क्रिकेट खेलने दो।'

'ठीक है, वहां फील्डिंग पर लग जाओ।' बैटिंग कर रहे लड़के ने इशारा करते हुए जीतू से कहा। जीतू खुश हो गया। उसे खेलने में बड़ा मजा आ रहा था। खेलते-खेलते दोपहर हो गई। बच्चे अपने-अपने घर जाने लगे। जीतू भी बस्ता टांग कर अपने घर वापस लौट आया।

अगले दिन से जीतू स्कूल जाने के लिए घर से निकलता लेकिन स्कूल जाने के बजाय मैदान में बच्चों के साथ खेलने लगता। खेलने में उसे बड़ा मजा आता। अब न पढ़ाई का प्रेशर था, न होमवर्क करने की चिंता। रोज-रोज स्कूल बंक कर बच्चों के साथ खेलना उसकी आदत बन गई।

मैदान के बगल वाली सड़क पर एक बूढ़े बाबा जूते पॉलिश करते थे। आते-जाते जीतू उन्हें रोज देखता। एक दिन जीतू खेलने के बाद घर जा रहा था। उसने देखा कि बूढ़े बाबा किताब पढ़ रहे हैं। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ। वह उनके पास जाकर बोला, 'बाबा, आप तो जूते पॉलिश करने का काम करते हैं। आज आप किताब क्यों पढ़ रहे हैं?'

'क्योंकि मैं जान गया हूं कि पढ़ाई-लिखाई जीवन में बहुत जरूरी है।' बाबा ने कहा। 'कैसे जान गए... ऐसा क्या हुआ?' जीतू ने हैरानी से पूछा।

'बेटा, मैं सिर्फ दूसरी कक्षा तक पढ़ा हूं। अक्षर पहचान लेता हूं। लेकिन अच्छी तरह पढ़ना नहीं जानता। मेरे पोते को कुछ दिनों से खांसी आ रही थी। दवा का नाम ना पढ़ पाने के कारण मैंने उसे खांसी की दवा पिलाने की बजाय घाव साफ करने वाली दवा पिला दी, जिससे मेरे पोते की तबियत और बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाना पड़ा। असल में दोनों दवाओं का रंग एक जैसा था। मुझे समझ नहीं आया। अगर मैं पढ़ा-लिखा होता तो यह गलती कभी ना होती। दवा का नाम पढ़ लेता। अब मेरा पोता ठीक हो गया है। मैंने उसका दाखिला स्कूल में करा दिया है और अपने लिए भी किताबें खरीद लाया हूं। खाली समय में अब मैं भी किताबें पढ़ता हूं।' बूढ़े बाबा ने बताया।

'लेकिन मुझे तो पढ़ना बिल्कुल पसंद नहीं है। पढ़ाई के लिए तो बहुत मेहनत करनी पड़ती है, बहुत दिमाग खपाना पड़ता है। इसलिए मैं स्कूल जाने की बजाय यहां पार्क में खेलने चला आता हूं।' जीतू ने बताया।

जीतू की बात सुनकर बाबा ने उसे समझाते हुए कहा, 'बेटा, मेहनत और लगन से पढ़ाई-लिखाई करने वाले आगे चलकर अच्छे और सफल इंसान बनते हैं। देश के लोगों की सेवा करते हैं। सेना में भर्ती होते हैं, पुलिस बनते हैं, डॉक्टर या इंजीनियर बनते हैं। पढ़-लिखकर बहुत-से अच्छे काम किए जा सकते हैं, जो बिना पढ़े-लिखे संभव नहीं है। तुमको स्कूल जरूर जाना चाहिए।'

बाबा की बातें सुनकर जीतू सोच में पड़ गया। उसके मम्मी-पापा को भी पढ़ना नहीं आता। इसलिए उन्हें धूप में मजदूरी करनी पड़ती है। अगर स्कूल नहीं जाएगा, तो वह भी अनपढ़ रह जाएगा। जरूरत पड़ने पर दवाइयों के नाम भी नहीं पढ़ पाएगा। ऐसे तो बड़े होकर उसे भी मजदूरी जैसा कोई काम करना पड़ेगा। जीतू को अपने स्कूल बंक करने की आदत पर बहुत पछतावा होने लगा। 'बाबा, अब मैं रोज स्कूल जाऊंगा। मन लगाकर पढ़ाई करूंगा। बड़ा होकर डॉक्टर बनूंगा।' जीतू ने जोश के साथ बूढ़े बाबा से कहा।

'शाबाश! बहुत बढ़िया। खूब पढ़ो.. आगे बढ़ो।' बाबा ने जीतू के सिर पर हाथ रखकर कहा। *

कविता
सिराज अहमद

टुक टुक टुक

चला सैर को बंटी बंदर
बहुत दिनों था घर के अंदर
कैब फोन से कर ली बुक
टुक टुक टुक- टुक टुक टुक
विंडो के फिर पास बैठकर
पैर चढ़ाकर एक पैर पर
बाहर करता लुक लुक लुक
टुक टुक टुक- टुक टुक टुक
दिखा रास्ते में एक हाथी
था उसका बचपन का साथी
हाल-चाल पूछा फिर रुक
टुक टुक टुक- टुक टुक टुक
दिनभर करके सैर सपाटा
खाते-पीते मौज उड़ाता
लौटा घर को पढ़ते बुक
टुक टुक टुक- टुक टुक टुक

जीके क्विज-159

1. आईसीसी की ताजा रैंकिंग के अनुसार विश्व की बेस्ट वन-डे महिला बैटर कौन बनी हैं?
2. हाल ही में किस देश ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया है?
3. हरियाणा के वर्तमान राज्यपाल का क्या नाम है?
4. रातापानी टाइगर रिजर्व किस प्रदेश में स्थित है?
5. दूध की शुद्धता मापने के लिए किस यंत्र का प्रयोग किया जाता है?
6. ज्ञानपीठ पुरस्कार किस क्षेत्र में दिया जाता है?
7. विश्व जनसंख्या दिवस कब मनाया जाता है?
8. 'हिंद स्वराज' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
9. हर वर्ष निकाली जाने वाली रथ यात्रा का संबंध किस मंदिर से है?
10. हमारा पड़ोसी देश श्रीलंका किस महासागर के बीच में स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-159 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-158 का उत्तर : 1.महेंद्र सिंह धोनी, 2.ऋषभदेव, 3.जम्मू-कश्मीर, 4.छत्तीसगढ़, 5.कार्बन डाइऑक्साइड, 6.केराटिन, 7. 1576 ई., 8. 1 जुलाई, 9.प्लैटिनम, 10.बछेंद्री पाल

जीके क्विज-158 का सही उत्तर देने वाले : स्वप्निल-रायगढ़, ममता-सीतापुर, लालिमा-गरियाबंद, राम-राजनांदगांव, सौम्या-रायगढ़, कबीर-हिसार, मीनाक्षी-रायपुर, पंकज-भोपाल, अनुज-बेमेतरा, प्रियंका-बिलासपुर, कुश-महासमुंद

रंग भरो-178

रंग भरो-178 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

शौर्य, रोहतक

भव्या, बिलासपुर

तन्वी, रोहतक

वेदिका, बालोद

रेयांश, बिलासपुर

समृद्धि, शहडोल

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

रितेश-मटियारी, प्रिया-रायपुर, संतोष-भोपाल, अमन-रोहतक, रुचि-जबलपुर, निखिल-महासमुंद, अंचित-रायगढ़, कविता-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, दिनेश-करनाल, लक्ष्य-कोरबा

रंग भरो 179

बच्चो, यहां दो बिल्लियों का प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

उन्हाणी की छात्रा ने किया विश्वविद्यालय में टॉप

नैंसी

तनु

कनीना। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की ओर से जारी स्नातक के छठें समेस्टर परीक्षा में राजकीय महिला महाविद्यालय उन्हानी की छात्रा नैन्सी निवासी गुढ़ा ने 91.25 फीसदी अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय टॉप किया है। वहीं छात्रा तनु ने विश्वविद्यालय के टॉपटेन में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में अनुशासन व उचित शैक्षणिक माहौल के कारण ही छात्राएं परीक्षा परिणाम में परचम लहरा रही हैं।

नारनौल। गोष्ठी में मौजूद सदस्य।

एआईडीवाईओ के स्थापना दिवस पर गोष्ठी आयोजित

नारनौल। युवा संगठन ऑल इण्डिया डेमोक्रेटिक यूथ आर्गेनाइजेशन (एआईडीवाईओ) की स्थानीय इकाई ने संगठन के स्थापना दिवस पर मौजूदा समय में बेरोजगारी व युवाओं का भविष्य विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि आज के समय में बेरोजगारी की समस्या बेहद नाजुक मोड़ पर पहुंच चुकी है।

मंडी अटेली। आंगनबाड़ी में गोद भराई रस्म करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत हुई गोद भराई रस्म

मंडी अटेली। गांव गणियार में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत गोद भराई रस्म कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांव की आंगनबाड़ी में हुए कार्यक्रम में बच्चियों का जन्मदिन भी मनाया गया। गांव की उपस्थित महिलाओं को महिला एवं बाल विकास द्वारा गर्भवती न बच्चों के स्वास्थ्य के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

पेट्रोल पंप गोद बलाहा पर मॉकड्रिल का आयोजन

नारनौल। गोद बलाहा स्थित जियो बीपी पेट्रोल पंप पर बुनियादी मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य पेट्रोल पंप पर कार्यरत कर्मचारियों को आपातकालीन स्थितियों जैसे आग लगने की स्थिति, सही और समय पर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रशिक्षित करना था। मॉकड्रिल के दौरान एक काल्पनिक स्थिति बनाई गई, जिसमें कर्मचारियों ने अलार्म बजाना, लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना और प्राथमिक उपचार जैसी जरूरी क्रियाओं का अभ्यास किया। ड्रिल में कंपनी की ओर से सचिन वर्मा, प्रशांत पाटिल, अभिषेक भगत, अखिलेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

ग्रीन कॉरिडोर, नेशनल हाईवे व स्टेट हाईवे को जोड़ता है शहर का अटेली रोड, इस मार्ग पर लगते है एक दर्जन गांव

महेंद्रगढ़-अटेली मार्ग की सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त 50 हजार की आबादी को उठानी पड़ रही है परेशानी

शिक्षण संस्थानों के वाहनों को भी आवागमन करने में उठानी पड़ रहीं है परेशानी, हादसे का बना रहता है डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

ग्रीन कॉरिडोर, दो नेशनल हाईवे व एक स्टेट हाईवे को जोड़ने वाले महेंद्रगढ़-अटेली मार्ग की सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। टूटी सड़क के कारण एक दर्जन गांवों की 50 हजार की आबादी को परेशानी उठानी पड़ रही है, लेकिन अधिकारियों की फाइल से कई वर्षो से कागजों से बाहर नहीं निकल पा रही है।

बता दें कि दो-तीन वर्षों से इस मार्ग के हालात बद से बदतर हो गए हैं। नारनौल दादरी स्टेट हाईवे 148 से महेंद्रगढ़ से अटेली को जाने वाला मार्ग रास्ते में गांव भालखी के पास 152 डी को टच करता है। यहां 152 डी ग्रीन कोरिडोर का लाभ लेने के लिए कट भी दिया हुआ है। आगे जाकर यह मार्ग अटेली में यह नारनौल-रेवाड़ी रोड को मिलता है। इस मार्ग पर करीब एक दर्जन गांव आते हैं। लेकिन सड़क के चलते 50 हजार की आबादी को परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। महेंद्रगढ़-अटेली मार्ग को एचएसआरडीसी द्वारा चौड़ा करके बनाया जाना है। करीब एक वर्ष पहले पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से यह सड़क एनएसआरडीसी को हैंडओवर की गई थी। वहीं इसके लिए राज्य सरकार से 40 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं पिछले विभाग की ओर सड़क का निर्माण कार्य भी शुरू किया गया था। लेकिन सड़क की चौडाई बढ़ने के बाद बीच में वन विभाग की जमीन अडचन आ गई थी। जिससे चलते निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया हैं। सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं होने के चलते एक करीब वर्ष से कई गांवों के लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। ग्रामीण सड़क का पेचवर्क करने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीण पेचवर्क का कार्य शुरू कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन भी कर चुके हैं।

महेंद्रगढ़। सड़क में बने गहरे गड्ढे। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों को उठानी पड़ रही है परेशानी

ग्रामीण नरेंद्र वर्मा, विनोद, अशोक कुमार, संदीप कुमार, प्रदीप, विष्णु आदि का कहना है कि इस सड़क की हालात बिल्कुल खस्ता हो चुकी हैं। आए दिन लोग सड़क से गिरकर हादसे का शिकार हो रहें हैं। सड़क में काफी गहरे गड्डे हो चुके हैं। बरसात में सड़क पर पानी भरा होने के कारण गड्डे दिखाई नहीं देते। लंबे समय से सड़क की हालात खस्ता है। सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने में लंबा समय लग सकता है। कई बार जिला प्रशासन के अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराया जा चुका हैं। काफी लंबे समय से अधिकारी कह रहे हैं कि सड़क की मरम्मत की जाएंगी। लेकिन अभी तक मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हो पाया हैं। टूटी सड़क के कारण करीब एक दर्जन गांवों के ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। ऐसे में ग्रामीण की सुविधा को देखते हुए पहले सड़क की मरम्मत कराई जानी चाहिए। इससे करीब एक दर्जन गांवों के लोगों को फायदा मिलेगा। इसके अलावा प्रशासन को इसका निर्माण जल्द करना चाहिए।

गुरु रविदास मंदिर में विभिन्न संगठनों की बैठक में जताया रोष

एडवोकेट रजत कलसन का सरकार कर रही असंवैधानिक उत्पीड़नः संगठन

भाटला सामाजिक बहिष्कार में दलितों को न्याय दिलाना एडवोकेट कल्सन को पड़ा भारी, विभिन्न संगठनों ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। रोष बैठक करते विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

दलित शोषित सोच के प्रहरी एडवोकेट रजत कल्सन की ओर से भाटला सामाजिक बहिष्कार में पीड़ितों को न्याय दिलाने के मामले में धानक समाज के प्रमुख समाजसेवी शिवनारायण मोरवाल की अध्यक्षता में गुरु रविदास मंदिर में विभिन्न संगठनों की बैठक में भारी रोष प्रकट किया गया और सभी संगठनों की ओर से संयुक्त हस्ताक्षरित पत्र राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग व मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखकर मांग की है कि एडवोकेट रजत कलसन के परिवार को सुरक्षा मुहैया करवाने के साथ साथ उसकी बंद की गई फेसबुक आईडी को बहाल किया जाए। धानक समाज के प्रमुख समाजसेवी शिवनारायण मोरवाल ने कहा कि पुलिस की छह गाड़ियां 30 से 40 पुलिस कर्मियों से भरी हुई। जिनमें पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। अधिवक्ता रजत के घर को पहले तो चारों ओर से घेर लिया, फिर रेड की और पुलिसिया अंदाज में उनकी पत्नी व बच्चों से पेश आए जो गैर कानूनी है। वाल्मीकि समाज के प्रमुख समाजसेवी व समिति के उपाध्यक्ष राजेश चांवरिया ने कहा कि सरकार की ओर से दलित हितैषी कलसन व उनके परिजनों को प्रताड़ित करने से सरकार की दलित विरोधी कार्यशैली उजागर होती है, क्योंकि पुलिस ने कलसन की फेसबुक आईडी, जिसमें 41000 से ज्यादा अनुयायी थे। पहले ही 15 जून को बंद कर दी थी। अब उनकी दूसरी फेसबुक आईडी जिसके माध्यम से वे अपनी बात रखने का काम कर रहे थे, उसे भी बंद कर दिया। कोली समाज के प्रधान तोताराम ने कहा कि इस समय सोशल मीडिया की फेसबुक पर अधिवक्ता रजत कलसन की कोई भी आईडी नजर नहीं आ रही। समिति के अखिल भारतीय आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष लालाराम नाहर भाटला, समिति प्रधान चन्दन सिंह जालवान, गुरु रविदास महासभा के प्रधान बलबीर सिंह बबेरवाल, हरियाणा चमार महासभा के प्रधान अनिल फाण्डन, अंबेडकर जन जाग्रति मंच के प्रधान जसवंत भाटी आदि ने भी रोष स्वरूप कहा कि सामाजिक बहिष्कार प्रकरण और मिर्चपुर जैसे अनेक मामलों में तो पुलिस की भूमिका पहले भी संदिग्ध रही थी, क्योंकि पुलिस ने जातिवादी गुंडों को बचाने का भ्रसक प्रयास किया था।

रोष प्रकट करने वालों ये रहे शामिल

सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के प्रधान चंदन सिंह जालवान, पूर्व डीएम महेंद्र खन्ना, अखिल भारतीय आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष एवं पूर्व तहसीलदार लालाराम नहर, वाल्मीकि समाज के समाजसेवी एवं समिति के उपाध्यक्ष राजेश चांवरिया, हरियाणा प्रदेश चमार महासभा के प्रधान अनिल फाण्डन, कबीर सामाजिक उत्थान संस्थान दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदीचंद गोठवाल, धानक समाज के प्रमुख समाजसेवी शिवनारायण मोरवाल, खटीक समाज के पतराम खींची, अंबेडकर जन जागृति मंच के प्रधान जसवंत भाटी, गुरु रविदास महासभा के उपाध्यक्ष बाबूलाल नारनौलिया, कोली समाज के प्रधान तोताराम, भारतीय सामाजिक परिवर्तन संघ के सचिव सुमेर सिंह गोठवाल, एडवोकेट गजानंद दोचादिया, कोषाध्यक्ष प्यारेलाल चवन, गुरु रविदास महासभा के पूर्व प्रधान हरिसिंह बड़कोदिया, कानूनी सलाहकार एडवोकेट भीमसिंह दहिया, नांगल चौधरी के प्रधान रोहतास बबेरवाल, डॉ. बीआर अंबेडकर युवा मंडल के प्रधान विक्रम सिंह मांडैया, नारनौल ब्लॉक के प्रधान सुरेश नारनौलिया, संघर्ष समिति के सचिव हजारीलाल खटावला, उपप्रधान गूगनराम सिरोहा, रामचंद्र गोठवाल, अमरनाथ सिरोहा, हरिराम सिरोहा, बलबीर हुडिना, सुरेंद्र सिहार, पूर्व चीफ मैनेजर विजय सरोहा, हरिसिंह थानेदार, एसएलजी अमन फाउंडेशन के चेयरमैन सुंदरलाल जोरासिया आदि शामिल थे।

सर्वत्र दलित और वंचित समाज पर हो रहे अत्याचार

बैठक का संचालन करते हुए समिति महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदीचंद गोठवाल ने कहा कि हिसार क्षेत्र के भाटला गांव में पहले एक घटना घटी थी, जो सामाजिक बहिष्कार का प्रकरण था। जिसमें अधिवक्ता रजत कलसन ने उत्पीड़ित समाज को न्याय दिलवाया था। इस मामले में कड़ा रोष प्रकट करते हुए पूर्व डीजीएम महेंद्र खन्ना ने कहा कि आज भारतवर्ष में सर्वत्र दलित और वंचित समाज पर अत्याचार हो रहे हैं। जिसमें हरियाणा राज्य भी उच्च स्तर पर पहुंच चुका है और सरकार के इस कृत्य ने 1919 के रोलट एक्ट की याद ताजा कर दी है। इसके चलते अधिवक्ता रजत कलसन को सामाजिक बहिष्कार प्रकरण में उत्पीड़ितों को न्याय दिलवाना भारी पड़ गया। खन्ना ने कहा कि अगर रजत कलसन के साथ कुछ गलत हुआ तो इसका अंजाम सरकार को भारी पड़ेगा।

नारनौल। आईटीआई में छात्रों को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आईटीआई में नशे के दुष्प्रभाव बताकर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अंतर राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर आईटीआई में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव बताकर जागरूक किया। इस दौरान डीएसपी सुरेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके साथ शहर प्रबंधक निरीक्षक मुकेश कुमार व महाबीर चौकी इंचार्ज एसआई पंकज भी मौजूद रहे। आईटीआई प्रिंसिपल विनोद खनगवाल, वाइस प्रिंसिपल सुनील यादव एवं स्टाफ ने डीएसपी का स्वागत किया। इस अवसर विरेंद्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस की ओर से नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य को विस्तृत रूप से बताते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने का आग्रह किया।

इसके बाद डीएसपी सुरेश कुमार ने विद्यार्थियों को अपना परिचय दिया और नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए कहा कि समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए के लिए समय समय पर पुलिस की ओर से विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। उन्होंने रोचकतापूर्ण ढंग से नशे के विभिन्न स्वरूपों से अवगत करवाते हुए विद्यार्थियों को नशे से होने वाले दुष्परिणाम बताए और नशे से दूर रहने के लाभ भी बताए। उन्होंने कहा कि घर में अगर कोई भी नशे से ग्रसित व्यक्ति है, तो उसका नशा कैसे छुड़ाएं।

नशा छोड़ने में पुलिस की ओर से हर संभव प्रयास किया जाएगा। प्रिंसिपल विनोद ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाली हानियों को विस्तृत रूप से बताया व युवाओं से अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश कुमार ने बताया कि नशा एक सामाजिक बुराई है तथा अपराधों की जड़ है। इसलिए युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा व खेलकूद में अपनी बेहतर प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपने देश, माता पिता का नाम रोशन करें। विद्यार्थियों को नशा न करने के प्रति जागरूक करते हुए नशा न करने के प्रति शपथ दिलाई।

सूरज डिग्री कॉलेज की बीए फाइनल सेमेस्टर की छात्रा उजाला ने पाया नौवां स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

उजाला

तन्नू

रीना

- सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा बीए फाइनल सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि बीए की छात्रा उजाला पुत्री कुलदीप सिंह निवासी नांगल हरनाथ ने 85.38 प्रतिशत अंक लेकर विश्वविद्यालय में नौवां स्थान एवं कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कोर्स की छात्रा तन्नू पुत्री मुकेश निवासी महेंद्रगढ़ ने 82.96 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय एवं रीना कुमारी पुत्री अमित कुमार निवासी डहीना ने 80.12 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्रा मुस्कान पुत्री राजकुमार ने 76.00 प्रतिशत, पारूल पुत्री बिजेंद्र ने 75.92 प्रतिशत, खुशबू पुत्री राजकुमार ने 75.25 प्रतिशत, स्नेहलता पुत्री महावीर सिंह ने 72.88 प्रतिशत, सोनम पुत्री शमशेर सिंह ने 72.75 प्रतिशत, रिया पुत्री रामकिशन ने 72.75 प्रतिशत, मोना पुत्री राकेश कुमार ने 72.58 प्रतिशत, रतन ज्योति पुत्री प्रद्युमन ने 72.50 प्रतिशत, रवीना पुत्री नरेश कुमार ने 72.38 प्रतिशत, मोनू पुत्री सूरजभान ने 71.58 प्रतिशत, हेमंत पुत्र प्रमोद कुमार ने 70.75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं कॉलेज के अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण होने में सफल रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

29 जून को महेंद्रगढ़ में कबीर प्रकटोत्सव

नारनौल। समस्त धानक समाज जिला महेंद्रगढ़ के सौजन्य से संत शिरोमणी कबीर साहब का 628वां प्रकटोत्सव दिवस 29 जून को प्रातः 10 बजे महेंद्रगढ़ की यादव धर्मशाला में मनाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक सूबेदार अमर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह होंगे, अध्यक्षता विधायक कंवर सिंह यादव करेंगे। विशेष रूप से आयोजन के गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह मौजूद रहेंगे। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका के चेयरमैन रमेश सैनी, भाजपा के जिलाध्यक्ष यतेंद्र राव, जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार एवं रतिराम आर्य होंगे। समारोह में समाज के आठवीं, दसवीं, बारहवीं, स्नातक व स्नातकोत्तर एवं अन्य मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के निमंत्रण बांटे जा रहे हैं।

सघन स्वच्छता अभियान बना जन आंदोलन

- अपने परिवेश को स्वच्छ व सुंदर बनाने का संकल्प दोहराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। गांवों में स्वच्छता अभियान चलाते नागरिक। फोटो : हरिभूमि

जिले में सघन स्वच्छता अभियान अब एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इसी कड़ी में वीरवार को जिले के सुजापुर, कोथल खुर्द, आंतरी, थाना, बेरुण्डला, सुरेहती मोढियान, दुबलाना, ढाणा आदि गांवों में स्थानीय निवासियों ने सक्रियता से भाग लेकर अपने परिवेश को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प दोहराया। जिला ग्रामीण विकास एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ने इस पहल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह महत्वाकांक्षी अभियान प्रतिदिन सुबह नौ बजे से 11 बजे तक जिले के प्रत्येक खंड के एक गांव में चलाया जा रहा है। कुमार ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण प्रयास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और इसे सफल बनाएं।

कुमार ने स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। स्वच्छता केवल बीमारियों को दूर नहीं रखती, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य बजट को भी सुव्यवस्थित रखने में सहायक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्व्छ भारत ही स्वस्थ भारत की मजबूत नींव है।

यह अभियान हरियाणा के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है, जो प्रदेश सरकार की स्वच्छता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के दूरदर्शी नेतृत्व में जिला प्रशासन इस अभियान को एक सामुदायिक आंदोलन बनाने के लिए कटिबद्ध है, जिसमें हर नागरिक की सक्रिय भूमिका हो।

नशा मुक्त घोषित गांवों के सरपंचों को एसपी ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। महिला सरपंच को सम्मानित करती एसपी पूजा वशिष्ठ।

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने वीरवार को जिले के 31 नशा मुक्त घोषित गांवों के सरपंचों को पुलिस की ओर से सम्मानित किया। इस दौरान उनके साथ डीएसपी हरदीप सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने खातीवास, माजरा कलां, सिसोठ, गोमला, मुंडायन, तलवाना, आकोली, आंतरी, कांवी, कोटिया, पायगा, डुलाना, कोजिन्दा, सुरहेती पिलानिया, बासडी, नंगला, नीरपुर राजपूत, राजपुरा, सागरपुर, टहला, हाजीपुर, जादूपुर, बिगोपुर, सरेली, धौलेड़ा, अटाली के सरपंचों व चार वार्डों के पार्षदों को पुलिस विभाग की तरफ से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। बता दें कि एसपी पूजा वशिष्ठ के मार्गदर्शन में कार्य कर रही पुलिस और आमजन के सार्थक प्रयासों से जिले के 175 गांवों समेत 11 वार्ड नशामुक्त घोषित किए जा चुके हैं। इन गांवों व वार्डों के सरपंचों, पार्षदों को पुलिस की ओर से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा।

रत्ना अस्पताल के सामने से रास्ता मोती नगर होते हुए सेक्टर एक में जाता है

मोतीनगर में रास्ते को बंद करने का प्रयास, लोगों ने जताया विरोध

- दीवार लगाकर रास्ता बंद करने लगा तो मोहल्ले के लोगों ने विरोध किया
- रास्ते में एक पाइप लगाकर बड़े वाहनों का प्रवेश भी बंद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। गड्ढा खोदकर रास्ता बंद करने का प्रयास। फोटो : हरिभूमि

एक व्यक्ति की ओर से शहर के मोतीनगर मोहल्ले से सेक्टर एक की ओर जाने वाला रास्ता बंद करने का प्रयास किया गया। व्यक्ति ने रास्ते के बीचों बीच जेसीबी से गड्ढा खुदवा दिया। जब वह दीवार लगाकर रास्ता बंद करने लगा तो मोहल्ले के लोगों ने इसका विरोध किया। जिसके बाद मोहल्लेवासियों ने रास्ते को जेसीबी लाकर ठीक कराया। बता दें कि सिंघाना रोड पर रत्ना अस्पताल के सामने से रास्ता मोती नगर होते हुए सेक्टर एक में जाता है। इस रास्ते को लेकर सेक्टर एक में रहने वाले लोग कई बार विरोध भी जता चुका हैं। मोती नगर तक यहां ऊंचाई है, जबकि सेक्टर के आते ही यहां पर नीचा हो जाता है। जिसके कारण बरसात के मौसम में सारा पानी इस रास्ते से सेक्टर एक में जाता है। वहीं सेक्टर एक के पास बने पार्क में भी यह जमा हो जाता है। जिसके कारण बीते वर्ष एक बच्चे की इस पार्क में डूबने से मौत भी हो गई थी। इसी को लेकर सेक्टर एक के लोगों ने इस रास्ते में एक पाइप लगाकर बड़े वाहनों का प्रवेश भी बंद किया हुआ है। अब बरसात के मौसम में पानी आने की संभावना को देखते हुए सेक्टर एक के रहने वाले एक व्यक्ति ने रास्ते को जेसीबी से खोद दिया तथा यहां पर दीवार बनाने का प्रयास किया।

जेसीबी से मुख्य मार्ग को तोड़ा

इसकी जानकारी लगते ही पार्षद मुकेश शर्मा, पूर्व पार्षद सुरेंद्र लफ्टी, सुभाष वर्मा ठेकेदार, संजय यादव बिल्लू, भवानी शंकर एडवोकेट, दिनेश यादव, कृष्ण यादव व रमेश वर्मा ठेकेदार पहुंच गए। उन्होंने बताया कि मोती नगर से सेक्टर में जाने के लिए एक मुख्य मार्ग है। जिस पर एक व्यक्ति ने अवैध रूप से बंद करने की कोशिश की व जेसीबी से मुख्य मार्ग को तोड़ दिया। इसको लेकर मोहल्ले के सैकड़ों लोगों ने विरोध किया। उन्होंने बताया कि यह मुख्य मार्ग जब सेक्टर बना उससे पूर्व का है तथा इससे सैकड़ों की तादाद में सेक्टर के निवासी सिंघाना रोड की तरफ जाते हैं, लेकिन उस व्यक्ति ने हुडा प्रशासन व नगर परिषद से ऊपर उठकर स्वयं ही दीवार बनाना शुरू कर दिया। जिसको लेकर मोती नगर के लोगों ने विरोध जताया। इसकी शिकायत नगर परिषद चेयरपर्सन व पुलिस थाना शहर में की है। लोगों ने मांग की कि उक्त व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, जबकि उक्त व्यक्ति ने स्वयं ही दीवार बनाने की कोशिश कर माहौल को खराब करने की कोशिश की है। इसके पश्चात मोहल्ला निवासियों ने जेसीबी बुलाकर उस रास्ते पर खोदी गई नींव को बंद करवाया।

इंस्पायर अवॉर्ड के लिए मांगे आवेदन, इस बार 11वीं व 12वीं से भी मांगे आइडिया

■ चयनित विद्यार्थी को मॉडल बनाने के लिए मिलेंगे 10 हजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार की ओर से शुरू की गई इंस्पायर अवॉर्ड मानक योजना के तहत सरकारी और निजी स्कूलों के विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। कक्षा छठी से बारहवीं के विद्यार्थी विज्ञान से संबंधित आइडिया 15 जून से लेकर 15 सितंबर तक ऑनलाइन दे सकेंगे। इस बार विभाग ने कक्षा 11 वीं और 12 वीं के विद्यार्थियों से भी आइडिया मांगे है जबकि पहले कक्षा छठी से दसवीं तक के विद्यार्थी ही आवेदन कर सकते थे।

मॉडल बनाने के लिए मिलते हैं 10 हजार रुपये

इंस्पायर अवॉर्ड मानक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार का एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसे प्रधानमंत्री की ओर से शुरू किए गए स्टार्टअप इंडिया पहल के साथ जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों में छोटी आयु में ही विज्ञान की पढ़ाई के प्रति रूचि पैदा करना व वैज्ञानिक अनुसंधान को अपना भविष्य बनाने के लिए प्रेरित व आकर्षित करना है। कार्यक्रम के तहत कक्षा छह से 12वीं के मेधावी विद्यार्थी, जिनके आइडिया चयनित होते हैं, उनको 10 हजार रुपये की अवॉर्ड राशि प्रदान की जाती है।

15 सितंबर तक कराए पंजीकरण

देश की उन्नति में योगदान के लिए एक अच्छा आइडिया बच्चे की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है न केवल उसका देश में नाम होगा बल्कि आजीवन कमाई भी होगी। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से इंस्पायर अवॉर्ड मानक योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर है।

क्या है इंस्पायर योजना

जिला विज्ञान विशेषज्ञ (डीएसएस) रविंद्र कुमार ने बताया कि इंस्पायर अवॉर्ड योजना में विद्यार्थी कोई भी नया और रचनात्मक विचार भेज सकते हैं। इसके लिए इस बार से कक्षा छह से कक्षा 12 के विद्यार्थियों को मौका दिया जा रहा है। सभी निजी और सरकारी विद्यालय मुखिया अपने विद्यालय के कक्षा छह से 12 के विद्यार्थियों को अपने अपने आईडिया लिखने के लिए दे और उनमे से पांच सर्वश्रेष्ठ मूल विचारों के नामांकन किसी भी मान्यता प्राप्त भाषा में सम्बंधित विद्यालय मुखिया द्वारा इंस्पायर अवॉर्ड कि वेबसाइट . पर स्कूल लॉग इन में जाकर करवाए। पहले एक लाख विचारों का चयन होगा। जिन्हें मॉडल बनाने के लिए 10 हजार रुपये उनके खाते में दिए जाएंगे। इसके बाद राज्यस्तरीय प्रदर्शनी व प्रोजेक्ट प्रतियोगिता से 10 हजार में से एक हजार नवप्रर्वतन का चयन होगा। शीर्ष 60 विचारों/नवाचारों का प्रदर्शन राष्ट्रपति भवन में किया जाएगा और माननीय राष्ट्रपति द्वारा उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाएगा। इसके साथ ही सकुरा एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी एवं शिक्षक को जापान की यात्रा का अवसर भी मिलेगा। इसमें आइडिया का चयन होने पर यदि उसे पेटेंट करा दिया जाता है तो उस पर जब तक कार्य होगा, तब तक उसकी कमाई का कुछ हिस्सा भी विद्यार्थी को मिलेगा।

इंस्पायर अवॉर्ड योजना में यह किए गए बदलाव

वर्तमान इंस्पायर अवॉर्ड मानक योजना को नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, भारत (एनआईएफ, इंडिया) के साथ मिलकर इसे स्टार्ट-अप इंडिया इनिशिएटिव के अनुरूप रखने के लिए संशोधित किया जा रहा है। सरकार द्वारा चलाये जा रहे आत्मनिर्भर भारत मिशन के लिए इनोवेटिव आईडिया जरूरी है। छात्रों के मूल और रचनात्मक तकनीकी विचारों/नवाचार जो स्थानीय/सामाजिक/राष्ट्रीय स्तर से संबंधित किसी भी समस्या को हल कर सकते हैं, उन्हें अब इस योजना के तहत आमंत्रित किया जाता है, अब पाठ्यपुस्तकों से सामान्य विचारों/अवधारणाओं या इन्टरनेट से लिए गए पुराने मौजूदा विचारों को प्रोत्साहित नहीं किया जाता है।

क्या कहते है अधिकारी

जिला शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि विद्यार्थी अपना आइडिया 15 सितंबर तक भेज सकते हैं। सभी विद्यालय मुखिया अपने विद्यालय से विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आईडिया कंपटीशन करवाकर पांच सर्वश्रेष्ठ आइडियाज का नामांकन इंस्पायर अवॉर्ड कि वेबसाइट पर जाकर करवाए ताकि इस योजना का लाभ अधिक से अधिक विद्यार्थियों को मिल सके।

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। गणियार में जोहड़ के समीप त्रिवेणी लगाते हुए।

जोहड़ के समीप लगाई त्रिवेणी

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव गणियार में जोहड़ के समीप त्रिवेणी लगाई। सामाजिक कार्यकर्ता तेजप्रकाश, पप्पू लोहार, एमपीएचडब्ल्यू हरीश, प्रदीप मास्टर के नेतृत्व में अनेक स्थानों पर पौधारोपण किया। इस मौके पर पौधे लगाने व उनके सरंक्षण करने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता तेजप्रकाश ने बताया कि पर्यावरण को बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन के शुभ अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

मनीराम बने अंबेडकर स्मारक समिति के रिटर्निंग आफिसर

महेंद्रगढ़। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति में वर्ष 2013 के बाद पहली बार एचआरआरएस एक्ट–2012 व समिति के बाइलॉज के अंतर्गत नई कार्यकारिणी के गठन के लिए चुनाव प्रक्रिया का शुभारंभ हो गया है। काफी लंबे समय से इस सभा में लेखा-जोखा और चुनाव संबंधी विवाद चल रहा है, जिसका निपटारा करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा रिटायर्ड सर्जन डॉ. ओपी आर्य को प्रशासक नियुक्त किया हुआ हैं।

हकेंवि में आनलाइन पंजीकरण 30 जून तक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पात्र अभ्यर्थी आागमी 30 जून तक आनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। संशोधन के लिए करेक्शन विंडों एक जुलाई से तीन जुलाई तक खुली रहेगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में रोजगारपरक पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर केंद्रित हैं।

नुक्कड़ नाटक से किया नशे के खिलाफ जागरूक

नारनौल। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर महिला थाना पुलिस, दुर्गा शक्ति टीम व राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं की टीम ने नुक्कड़ नाटक कर नशे के खिलाफ जागरूक किया। इस अवसर पर नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया व जीवन में नशा न करने का संदेश दिया।

कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से अंतर राष्ट्रीय नशीली दवाओं के दुरुपयोग व अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर कानूनी जागरूकता शिविर लगाया गया। यह शिविर महिला व ब्वाय आईटीआई, राजकीय कॉलेज नांगल चौधरी, बाछोद, कादिपुरी, सिरोही बहाली, गुजरवास, दोचाना में लगाया।

शिकायतों का समाधान न होने के कारण हो रही परेशानी

रोडवेज विभाग के सीआई को डीसी ने लगाई लताड़

■ रोडवेज बसों के समय बदलाव को लेकर 11वीं बार डीसी को शिकायत दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। डीसी से शिकायत करते रामनिवास पाटोदा। फोटो : हरिभूमि

जन समाधान शिविर में जनता द्वारा बार-बार संबंधित विभागों को शिकायतें देने के बावजूद कई माह तक उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। शिकायतों का समाधान न होने के कारण आमजन को निरंतर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी विषय को लेकर एक समाजिक कार्यकर्ता द्वारा वीरवार को रोडवेज बसों के समय बदलाव को लेकर 11वीं बार डीसी को शिकायत दी गई। सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा डीसी से कहा कि गया वह रोडवेज बस के समय बदलाव को लेकर 11वीं बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन शिकायत पर कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा हैं। जब डीसी विवेक भारती ने रोडवेज विभाग के एक सीआई से पूछा कि इस शिकायत पर समाधान क्यो नहीं हो रहा हैं, सीआई ने जवाब दिया कि इस पर सीएम विंडो लगी हुई हैं। इस पर डीसी ने सीआई पर जमकर लताड़ लगाई और सीआई से शिकायतों का स्पष्टीकरण भी मांगा। सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने बताया सौंपे पत्र में कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि वे एक माह के अंदर-अंदर प्राप्त सभी शिकायतों का समाधान करें और उसकी रिपोर्ट भी प्रस्तुत करें ताकि आमजन को राहत मिले और सरकार एवं प्रशासन के प्रति विश्वास बना रहे। जनता का समाधान शिविरों पर विश्वास बना रहे, इसके लिए यह आवश्यक है कि जनहित में तेजी से और प्रभावी कार्यवाही की जाए। इसी प्रकार, आवेदनकर्ता द्वारा रोडवेज विभाग में बसों के संचालन आदि से संबंधित कई शिकायतें पूर्व में दी जा चुकी हैं, परंतु सीआई कार्यालय में बैठे कर्मियों की तानाशाही, हठधर्मी और क्षेत्रवाद के चलते उन शिकायतों को बिना संज्ञान के रद्दी की टोकरी में डाल दिया जाता है उन्होंने बताया कि जिला उपायुक्त द्वारा रोडवेज विभाग के सीआई सतीश को तलाड़ लगाते हुए कहा कि शिकायतों पर स्पष्टीकरण देना आवश्यक है।

सरंपच के खिलाफ दी शिकायत

गांव माजरा खुर्द के वार्ड नंबर-पांच के पंच सुरेंद्र सिंह ने कहा कि वह काफी समय से समाधान शिविर में लगभग दो साल से सरपंच के अनियमिमता, भ्रष्टाचार, मनरेगा में धोखाधड़ी, मनमानी तरीके के खिलाफ समाधान शिविर में शिकायत लगा चुका हैं। वह करीब 15 बार समाधान शिविर में शिकायत कर चुका हैं। इसके अलावा आरटीआई के तहत भी जानकारी मांगनी चाहीं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हैं। 12 जून की शिकायत पर डीसी ने बीडीपीओ को तीन दिन के अंदर कार्रवाई के आदेश दिए थे, परंतु 15 दिन उपरांत भी कोई कार्रवाई न करने पर वह वीरवार को फिर से समाधान शिविर में डीसी के सामने अपनी शिकायत दी हैं। डीसी ने एक-दो दिन में बीडीपीओ कार्यालय को कार्रवाई के आदेश दिए। पंच सुरेंद्र सिंह ने कहा कि यदि बीडीपीओ कार्यालय से सरपंच के खिलाफ इस सप्ताह कोई कार्रवाई नहीं की जाती है तो, तीन जुलाई को समाधान शिविर के सामने सचिवालय के गेट पर धरने पर बैठेगा।

भाजपा ने राजनीति को सेवा नहीं, झूठ व धोखाधड़ी का व्यापार बना दिया: कामरेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कामरेड बलबीर सिंह।

■ इमरजेंसी से भी बदतर हालात पैदा कर दिए

कामरेड दलीप सिंह, जो 1975 में तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा थोपी गई इमरजेंसी के खिलाफ 19 महीने तक जेल में बंद रहे थे, ने आजकल के राजनीतिक, सामाजिक हालातों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि जबसे भाजपा सत्ता में आई है, तबसे देश में अघोषित इमरजेंसी लागू है। केंद्र की सत्ता कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित है। मंत्री सिर्फ नाम के ही हैं। देश में आम जनता से जुड़े मुद्दे गायब हैं। केंद्र में और राज्य में भाजपा सरकारें हमेशा चुनावी मोड में ही रहती हैं। वहीं दूसरी तरफ देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध से त्रस्त हैं। शिक्षा व स्वास्थ्य आम आदमी की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। सरकार द्वारा राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को ठिकाने लगाने के लिए ईडी, सीबीआई व दूसरी संस्थाओं का खुलकर दुरुपयोग किया जा रहा है। देश के युवाओं को लाखों लाख रोजगार देने वाले बड़े-बड़े संस्थानों को जो देश की जनता के खून पसीने की कमाई से खड़े किए गए थे, औने पौने दामों पर देशी–विदेशी पूंजीपतियों को बेचा जा रहा है।

किया विरोध

यह भी गौरतलब है कि जिन लोगों ने कांग्रेस द्वारा सौंपी गई घोषित इमरजेंसी का विरोध किया है, आज वही लोग केंद्र में सरकार में है और कांग्रेस द्वारा लगाई गई घोषित इमरजेंसी से भी बदतर हालात पैदा कर दिए हैं। अभिव्यक्ति की आजादी भी नहीं सुनी जा रही है। संवैधानिक संस्थाएं अपना वजूद खोती जा रही हैं। आमजनता असहाय महसूस कर रही है। जनविरोधी सरकारी नीतियों की आलोचना करना ही अब तो देशद्रोह जैसा हो गया है। चुनाव में राजनीतिक फायदे के लिए सांप्रदायिक माहौल को बिगाड़ा जा रहा है। जनता से झूठे वायदे किए जाते हैं। राजनीति जो एक समय में देशसेवा का कार्य था, को भाजपा ने अब झूठ व धोखाधड़ी पर आधारित व्यापार बन गया है।

अस्पताल में करवाएं गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण

कनीना। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेहलंग में बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉ. प्रभा यादव ने की। बैठक में जिन गांवों में लिंग अनुपात गिरता जा रहा है, उन पर फोकस करने पर विचार विमर्श किया गया। लिंग अनुपात को समकक्ष रखने की दिशा में काम करने के लिए गांवों में जागरूकता शिविर आयोजित करने पर बल दिया गया। वहीं बैठक में सम्बंधित गांव के सरपंच, पंच, ग्राम सचिव, नम्बरदार, आंगनबाड़ी वर्कर, सहायक, आशा वर्कर को भी शामिल करने की बात कही गई। उन्होंने बागोत में ग्रामीणों से कहा कि वे 10 सप्ताह के अंदर अंदर गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण करवाएं।

विधायक ने मंत्री अनिल विज का हालचाल जाना

नारनौल। पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव ने कैबिनेट मंत्री अनिल विज से उनके अंबाला स्थित निवास स्थान पर भेंट कर उनका हालचाल जाना। इस मुलाकात के दौरान ओमप्रकाश यादव ने अनिल विज के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुलाकात के बाद ओमप्रकाश यादव ने बताया कि उन्होंने परमात्मा से प्रार्थना की है कि अनिल विज जल्द से जल्द पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अनिल विज पहले की तरह ही अपनी पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ जनसेवा के कार्यों में सक्रिय रहेंगे और आम जनता की सेवा करते रहेंगे। यादव ने कहा कि अनिल विज जैसे जुझारू और समर्पित नेता का स्वस्थ रहना हरियाणा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस मुलाकात को एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो हरियाणा के नेताओं के बीच आपसी सम्मान और सद्भावना को दर्शाता है।

नारनौल। मंत्री अनिल विज से मिलते विधायक ओमप्रकाश यादव।

हकेंवि को मिला प्रथम पुरस्कार

■ राजधानी दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हकेंवि का उल्लेखनीय प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता टीम के सदस्य कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार के साथ।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम ने राजधानी दिल्ली में भारत सरकार की उपलब्धियां एवं योजनाएं विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार हासिल किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विजेता टीम का विश्वविद्यालय पहुंचने पर बधाई देते हुए उन्हें भविष्य में देश की जरूरतों के अनुरूप तकनीक विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने में योगदान देने में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हकेंवि विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध करवाने के साथ-साथ विज्ञान, तकनीक तथा नवाचार में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी में देशभर के विभिन्न सरकारी संस्थानों के शोध कार्यों, नवप्रवर्तन गतिविधियों, तकनीकी कार्यों तथा विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाली औषधियों से निर्मित उत्पादों की जानकारी प्रदर्शित की। हकेंवि के इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा लगाई गई। इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने पहुंचे कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने किया।

नवजात बच्चों के लिए सरकारी अस्पतालों में बेहतर इंतजाम

■ हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य ने किया नागरिक अस्पताल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। नागरिक अस्पताल का निरीक्षण करती हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य सुमन राणा। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य सुमन राणा ने वीरवार को नागरिक अस्पताल में विशेष नवजात देखभाल इकाई व अन्य वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीज से अस्पताल में दी जा रही सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया। इस निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए राणा ने कहा कि हरियाणा सरकार नवजात बच्चों के स्वास्थ्य के लिए सरकारी अस्पतालों में बेहतर इंतजाम कर रही है। उन्होंने कहा कि शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए हरियाणा सरकार ने सभी जिला अस्पतालों में विशेष नवजात देखभाल इकाइयां (एसएनसीयू) स्थापित की हैं। इन इकाइयों में फोटो थेरेपी यूनिट, इनक्यूबेटर, रेडिएंट वार्मर, माइक्रो अल्ट्रा केयर यूनिट, मल्टी पैरा मॉनिटर, ऑक्सीजन वितरण उपकरण आदि जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। ये इकाइयां समय से पहले जन्मे बच्चों, कम वजन वाले शिशुओं, जन्म के समय श्वासावरोध, संक्रमण, नवजात पीलिया और जन्मजात विसंगतियों से पीड़ित नवजात शिशुओं को विशेष देखभाल प्रदान करती हैं।

दी जानकारी

राणा ने कहा कि सरकार ने जननी सुरक्षा योजना और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम चलाए हैं। प्रसव से संबंधित सारा खर्च सरकार वहन करती है। जिसमें आवश्यक दवाएं, खाना और जरूरत पड़ने पर खून भी मुफ्त मिलता है। इस अवसर पर आयोग की सदस्य ने निक्कू वार्ड, प्रसूति वार्ड, सामान्य वार्ड, वरिष्ठ नागरिक ओपीडी वार्ड, पोषण पुनर्वास केंद्र आदि का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार, डॉ. आशा शर्मा. डॉ. विजय यादव, नोडल अधिकारी आरबीएस डॉ. विनय, नोडल अधिकारी बिल्डिंग डॉ. दिनेश, नोडल अधिकारी चाइल्ड केयर डॉ. नरेन्द्र, डीसीपीओ संदीप कुमार, राजकुमार कोठारी मौजूद रहे।

जन धन योजना के खातों किया जाएगा सक्रिय

■ राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की वीसी के जरिए बैठक आयोजित

■ वित्तीय समावेशन अभियान को लेकर हुई मंत्रणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार शर्मा ने कहा कि बैंकिंग अधिकारी पंचायत अधिकारियों के सहयोग से एक जुलाई से 30 सितंबर तक वित्तीय समावेशन अभियान शुरू करें। यह अभियान उन लोगों पर केंद्रित होगा, जिनके शून्य बैलेंस खाते हैं या जिनके खाते निष्क्रिय पड़े हैं। एडीसी वीरवार को वीसी के जरिए हुई राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक के बाद बैंकर्स को दिशा निर्देश दे रहे थे। इससे पहले राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के कन्वीनर ललित कुमार तनेजा महाप्रबंधक पीएनबी ने इस संबंध में वीसी के जरिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लीड बैंक प्रबंधक उमेद सिंह दहिया ने बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीसी ने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत खोले गए खातों को फिर से सक्रिय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शून्य बैलेंस वाले खातों को भी खोला जाएगा और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। वित्तीय लेनदेन और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजनाओं के लाभार्थी बिना किसी समस्या के सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। एलडीएम ने बताया कि कंप्यूटर और प्रिंटर हर बैंक शाखा में उपलब्ध हैं।

जिला स्तरीय बैठक करने के निर्देश

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत शून्य जन धन खाते खोलना, निष्क्रिय खातों को फिर से खोलना, पंजीकरण, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना को मौके पर ही किया जाना चाहिए। उन्होंने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी हरिप्रकाश बंसल को अभियान की सभी पंचायतों में जिला स्तर पर बैठकें आयोजित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी कारण से निष्क्रिय हुए खातों को सक्रिय किया जाना चाहिए, ताकि लाभार्थी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजनाओं के तहत सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा सकें। इस बैठक में नगराधीश मंजीत कुमार भी मौजूद थे।

असुविधा सुगम रेल संचालन हेतु फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी रेलखण्ड के मध्य किया जा रहा है दोहरीकरण

फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी रेलखण्ड के मध्य कार्य के चलते रेलसेवाएं रहेगी प्रभावित

अटेली, काठूवास व कुण्ड स्टेशनों पर नॉन इण्टरलॉकिंग कार्य किया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से जयपुर मंडल के फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी रेलखण्ड के मध्य अटेली-काठूवास-कुण्ड स्टेशनों पर दोहरीकरण कार्य के कारण नॉन-इण्टरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। जिसके कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित रेलसेवाएं प्रभावित रहेगी।

इस कार्य के चलते प्रारम्भिक स्टेशन से कुछ रेलसेवाएं रद्द रहेगी। जिसमें गाड़ी संख्या 19619 फुलेरा-रेवाडी एक्सप्रेस रेलसेवा एक अगस्त से 27 अगस्त तक (27 ट्रिप) रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 19622 रेवाड़ी-फुलेरा एक्सप्रेस रेलसेवा दो अगस्त से 28 अगस्त तक (27 ट्रिप) रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14705 भिवानी-ढेहर का बालाजी एक्सप्रेस रेलसेवा 20 अगस्त से 27 अगस्त तक (08 ट्रिप) रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14706 ढेहर का बालाजी-भिवानी एक्सप्रेस रेलसेवा 20 अगस्त से 27 अगस्त तक (08 ट्रिप) रद्द रहेगी।

प्रारम्भिक स्टेशन से मार्ग परिवर्तित रेलसेवाएं

गाड़ी संख्या 14087 दिल्ली-जैसलमेर रेलसेवा एक अगस्त से 27 अगस्त तक (27 ट्रिप) दिल्ली से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी-अलवर-जयपुर-फुलेरा होकर संचालित होगी तथा परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा खैरथल, अलवर, बांदीकुई, दौसा, गांधीनगर जयपुर व जयपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 14088 जैसलमेर-दिल्ली रेलसेवा एक अगस्त से 27 अगस्त तक (27 ट्रिप) जैसलमेर से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग फुलेरा-जयपुर-अलवर-रेवाड़ी होकर संचालित होगी तथा परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर व खैरथल स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाड़ी संख्या 22452 चंडीगढ़-बान्द्रा टर्मिनस रेलसेवा तीन अगस्त, छह, 10, 13, 17, 20, 24, व 27 अगस्त को (आठ ट्रिप) चंडीगढ़ से प्रस्थान करेगी।

उपरोक्त कार्य के कारण रेलसेवाएं अटेली स्टेशन पर ठहराव नहीं करेगी

गाड़ी संख्या 20473 दिल्ली सराय-उदयपुर सिटी रेलसेवा 22 अगस्त से 27 अगस्त तक दिल्ली सराय से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अटेली स्टेशन पर ठहराव नहीं करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 20474 उदयपुर सिटी-दिल्ली सराय रेलसेवा 21 अगस्त से 26 अगस्त तक उदयपुर सिटी से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अटेली स्टेशन पर ठहराव नहीं करेगी।